Sitar

एम.ए. संगीत

दो वर्षीय चार सेमेस्टर

सितार

सत्र - 2020-21, 2021-2022

प्रत्येक सेमेस्टर में चार प्रश्न–पत्र होंगे। दो सैद्धान्तिक दो प्रायोगिक होंगे। जिसकी अंक समीक्षा सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक 100 (85 प्रश्न पत्र 15 सी.सी.ई (सैद्धांतिक)) के होंगे। प्रायोगिक 100 का होगा।

प्रश्नपत्र क्रमांक	प्रथम सेमेस्टर
101	संगीत के सामान्य एवं व्यवहारिक सिद्धान्त
102	भारतीय संगीत का इतिहास
103	राग गायन (प्रायोगिक)
104	मंच प्रदर्शन (प्रायोगिक)

प्रश्नपत्र क्रमांक	द्वितीय सेमेस्टर
201	संगीत के सामान्य एवं व्यवहारिक सिद्‌धान्त
202	भारतीय संगीत का इतिहास
203	राग गायन (प्रायोगिक)
204	मंच प्रदर्शन (प्रायोगिक)

प्रश्नपत्र क्रमांक	तृतीय सेमेस्टर
301	व्यवहारिक एवं क्रियात्मक संगीत शास्त्र
302	ध्वनि शास्त्र तथा रचना एवं निबंध
303	राग गायन (प्रायोगिक)
304	मंच प्रदर्शन (प्रायोगिक)

प्रश्नपत्र क्रमांक	चतुर्थ सेमेस्टर
401	व्यवहारिक एवं क्रियात्मक संगीत शास्त्र
402	ध्वनि शास्त्र तथा रचना एवं निबंध
403	राग गायन (प्रायोगिक)
404	मंच प्रदर्शन (प्रायोगिक)

नोट :– परियोजना कार्य चतुर्थ सेमेस्टर में होगा।

M.A. सितार

जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर

संगीत कला संकाय (गायन कंठ/वादन सितार/नृत्य)

सत्र -2020 -21, 2021-22

स्नातकोत्तर स्तर प्रथम, द्वितीय,तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर

विषय	प्रश्न पत्र	पूर्णांक	न्यूनतम उत्तीर्णांक	सी.सी.ई. पूर्णांक	न्यूनतम उत्तीर्णांक	योग
कण्ठ संगीत/ वाद्य संगीत /नृत्य संगीत	प्रथम	85	31	15	6	100
कण्ठ संगीत/ वाद्य संगीत /नृत्य संगीत	द्वितीय	85	31	15	6	100
कण्ठ संगीत/ वाद्य संगीत /नृत्य संगीत	तृतीय प्रायोगिक	100	36	–	–	100
कण्ठ संगीत/ वाद्य संगीत /नृत्य संगीत ✓	चतुर्थ प्रायोगिक	100	36	–	–	100

नोटः– एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर में प्रोजेक्ट कार्य 100 अंक अतिरिक्त होगा।

Jiwaji University Gwalior (M.P.)

M.A. Music-Instrument

Session - दिसंबर - 2020

1 st Semester Scheme

University Course	Micropro	Comp/ Optiona	Course Name	Total Marks	Theory			Practical			Sessional		
					Max.	Min.	Total	Max.	Min.	Total	Max.	Min.	Total
101		C	SANGEET KE SAMMAN AVAM VYAHVARIK SIDHANT	100	85	29					15	5	
102		C	BHARTIYA SANGEET KA ITIHAS	100	85	29					15	5	
103		C	RAAG GAYAN (PRAYOGIK)	100				100	40				
104		C	MANCH PRADARSHAN (PRAYOGIK)	100				100	40				

MAX MARKS			AGGR. PASS %	CLASS Y/N	2nd Div.	GRACE Y/N	GRACE IN EACH PAPER	ATKT/ PNS/S uppl. Y/N	NO. OF SUB.	NO. OF SUB. TO APPEAR
400			40%	NO		YES	1MARK/1PAPER	2	4	4

एम० ए० प्रथम सेमेस्टर - दिसंबर - 2020

तंतु- वादन- सितार

सैद्धांतिक

समय- 3 घंटे

पूर्णांक 85

प्रथम- पत्र पत्र

आ०मू - 15

101. संगीत के सामान्य एवं व्यावहारिक सिद्धांत

इ०D.

इ० 1- निम्नलिखित रागों का विवेचनात्मक अध्ययन -
(i) श्याम कल्याण, (ii) अहीर भैरव, (iii) मदमाद सारंग
(iv) रागेश्वरी, (v) गुजरी तोड़ी, (vi) मेघ मल्हार।

इ. 2- निम्नलिखित तालों के ठेके को ठा:, दुगुन, तिगुन और चौगुन लय में लिपिबद्ध करने का अभ्यास -
(i) एकताल, (ii) त्रिताल (iii) आड़ाचौताल
(iv) चौताल।

इ. 3- (i) हारमनी - मैलोडी का अध्ययन।
(ii) भारतीय संगीत के सप्तक का विकास।

इ. 4- दशाविध राग वर्गीकरण, राग-रागिनी वर्गीकरण -
शुद्ध छायालग, संकीर्ण तथा आश्रय राग।

इ. 5. (i) रस की व्याख्या, रस निष्पत्ति सूत्र की व्याख्या भरत एवं उनके परवर्ती आचार्यों के मतानुसार और नवरसों का अध्ययन।
(ii) छन्द एवं ताल का पारस्परिक संबंध।

[signature]

एम. ए. प्रथम सेमेस्टर - 2020

तंतु वादन - सितार

सैद्धांतिक

पूर्णांक : 3 घंटे

पूर्णांक 85

आ०मू० 15

102 द्वितीय प्रश्न पत्र

भारतीय संगीत का इतिहास

प्र.1 (i) भारतीय संगीत की उत्पत्ति और क्रमिक विकास।
(ii) पाश्चात्य संगीत की उत्पत्ति और क्रमिक विकास।

प्र.2 (i) वैदिक कालीन संगीत का विशद अध्ययन।
(ii) संगीत कला के विकास में सामवेद का योगदान का विस्तृत अध्ययन।

प्र.3 (i) रामायण और महाभारत कालीन संगीत का विशद अध्ययन।
(ii) भरत के नाट्यशास्त्र के अनुसार संगीत का इतिहास एवं विकास।

प्र.4 (i) जैन एवं बौद्धकालीन संगीत परम्परा का अध्ययन।
(ii) मौर्य एवं गुप्त कालीन संगीत परम्परा का अध्ययन।

प्र.5 (i) निम्नलिखित ग्रंथकारों एवं उनके ग्रंथों का सामान्य अध्ययन - (i) लोचन, (ii) अहोबल, (iii) श्रीनिवास।
(ii) पं. ओंकारनाथ ठाकुर और उस्ताद अब्दुल करीम खाँ का संगीत में योगदान का अध्ययन।

(हस्ताक्षर)

एम० ए० प्रथम सेमेस्टर - दिसंबर - 2020

तंत्र-वादन - सितार

तृतीय प्रश्न पत्र - प्रायोगिक - प्रथम — पूर्णांक 100

सर्व ांग — 103 - राग वादन - वाचन

प्र०-1 निम्न लिखित रागों में आलाप, जोड़ झाला के साथ विलंबित एवं द्रुत लय गतों का अभ्यास विस्तृत अध्ययन के साथ
(i) श्याम कल्याण (ii) शुद्ध सारंग
(iii) अहीर भैरव (iv) रागेश्री
(v) बागेश्री (vi) गुर्जरी तोड़ी

प्र. 2. निम्न लिखित रागों का सामान्य अध्ययन :-
(i) दुर्गा, (ii) मारवा, सोहनी, मेघ मल्हार

प्र. 3. पाठ्यक्रम के तालों को हाथ से ताली - खाली के साथ पढ़ंत का अभ्यास ठा:, दुगुन, तिगुन, एवं चौगुन में

(signature)

एम० ए० प्रथम सेमेस्टर – दिसंबर 2020

चतुर्थ प्रश्न पत्र – प्रायोगिक

104 – मंच प्रदर्शन

समय 1 घंटा

पूर्णांक 100

आमंत्रित दर्शकों के समक्ष –

ई. 1. पाठ्यक्रम के किसी भी राग में स्वतंत्र वादन दक्षतापूर्ण।

ई. 2. – परीक्षक द्वारा पूछे गये पाठ्यक्रम के राग पर स्वतंत्र वादन।

ई. 3 – निम्नलिखित रागों में से किसी एक में ध्रुपद-धमार अथवा तराना अथवा ठुमरी अथवा कोई भी धुन बजाने का अभ्यास –

(i) राग बिहाग, (ii) राग मालकौंस (iii) राग कामोद, (iv) राग केदार, (v) राग पीलू।

Jiwaji University Gwalior (M.P.)

M.A. Music Instrument

Session – जून - 2021

IInd Semester Scheme

University Course	Micropro	Comp/ Optiona	Course Name	Total Marks	Theory Max.	Theory Min.	Theory Total	Practical Max.	Practical Min.	Practical Total	Sessional Max.	Sessional Min.	Sessional Total
201		C	SANGEET KE SAMMAN AVAM VYAHVARIK SIDHANT	100	85	29					15	5	
202		C	BHARTIYA SANGEET KA ITIHAS	100	85	29					15	5	
203		C	RAAG GAYAN (PRAYOGIK)	100				100	40				
204		C	MANCH PRADARSHAN (PRAYOGIK)	100				100	40				

MAX MARKS			AGGR. PASS %	CLASS Y/N	2nd Div.	GRACE Y/N	GRACE IN EACH PAPER	ATKT/ PNS/S uppl. Y/N	NO. OF SUB.	NO. OF SUB. TO APPEAR
400			40%	NO		YES	1MARK/1PAPER	2	4	4

एम॰ ए॰ द्वितीय सेमेस्टर — जून - 2021

तंतु वादन - सितार

201 प्रथम प्रश्न पत्र - सैद्धांतिक

समय 3 घंटे | पूर्णांक 85 | आंतरिक - 15

संगीत के सामान्य एवं व्यवहारिक सिद्धांत

ई॰ 1. निम्नलिखित रागों का विवेचनात्मक अध्ययन एवं बंदिशों के रचना सिद्धांत का अध्ययन -
(i) देवगिरि बिलावल, (ii) मारू बिहाग (iii) सूरमल्हार,
(iv) नायकी कान्हड़ा (v) झिंझोटी।

ई॰ 2. (i) निम्नलिखित तालों के ठेकों को - ठाह, आड़, कुआड़, बिआड़ में लिपिबद्ध करने का अभ्यास —
(i) चौताल, (ii) तिलवाड़ा (iii) दीपचंदी।

ई॰ 3. निम्नांकित का अध्ययन - डायटोनिक स्केल, क्रोमेटिक स्केल, मेजर टोन, माइनर टोन, समविभागीय स्वर सप्तक।

ई॰ 4. - रागवर्गीकरण सिद्धांत — थाट राग, राग-रागांग वर्गीकरण।

ई॰ 5. मिजराब के बोलों पर पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों में रचना करने का अभ्यास।

(हस्ताक्षर)

एम० ए० द्वितीय सेमेस्टर - जून 2021

तंतुवादन - सितार

समय 3 घंटे

पूर्णांक - 85
आ०मू० - 15

202 - द्वितीय प्रश्न पत्र - सैद्धांतिक

भारतीय संगीत का इतिहास

प्र० 1. प्राचीन, मध्यकालिन और आधुनिक स्वर, श्रुति धारणा का विशद अध्ययन।

प्र० 2 - (i) दक्षिणी तथा उत्तर संगीत पद्धतियों का तुलनात्मक अध्ययन।
(ii) राग-रागिनी चित्रीकरण तथा राग ध्यान परम्परा का वर्णन।

प्र० 3. मध्यकालिन संगीत परम्परा का विस्तृत अध्ययन।

प्र० 4 - निम्नलिखित ग्रंथकारों का भारतीय संगीत के विकास में योगदान का अध्ययन - व्यंकटमखी, विष्णुनारायण भातखंडे और विष्णु दिगम्बर पलुस्कर।

प्र० 5. संगीत के घरानों का इतिहास, विकास और विशेषताओं का अध्ययन - आगरा घराना, सेनिया घराना, ग्वालियर घराना, जयपुर घराना, और इमदाद खाँ घराना।

एम॰ ए॰ द्वितीय सेमेस्टर - जून 2021

समय - 1 घंटा

तंतु वादन सितार

203 - तृतीय प्रश्न पत्र - प्रायोगिक

पूर्णांक 100

राग वादन - वायवा

प्र. 1. निम्नलिखित रागों में स्वतंत्र वादन आलाप, जोड़, झाला विभिन्न गतों का विस्तृत प्रदर्शन :-

(i) देवगिरि बिलावल, (ii) यमनी बिलावल,
(iii) मारू बिहाग, (iv) नायकी कान्हड़ा,
(v) सूर मल्हार (vi) झिंझोटी

प्र. 2. सामान्य राग अध्ययन के वादन के राग -
(i) सूहा, (ii) सुघराई, (iii) सहाना, (iv) देस
(v) सरस्वती, (vi) कलावती।

प्र. 3. विस्तृत अध्ययन के किन्हीं दो रागों में विलंबित रचनाएँ, द्रुत रचनाएँ आदि का अभ्यास।

एम० ए० द्वितीय सेमेस्टर - जून 2021

तंतु वादन सितार

समय 1 घंटा

पूर्णांक 100

204 — चतुर्थ प्रश्न पत्र —

प्रायोगिक मंचप्रदर्शन

आमंत्रित दर्शकों के समक्ष —

ई. 1. पाठ्यक्रम के रागों में से किसी भी एक राग में स्वतंत्र वादन का दक्षता पूर्ण प्रदर्शन।

ई. 2. परीक्षक द्वारा पूछे जाने पर पाठ्यक्रम के किसी राग का वादन।

ई. 3. निम्नलिखित में धुन बजाने का अभ्यास — यमन, जौनपुरी, दरबारी कान्हड़ा, मुल्तानी, पहाड़ी, शिवरंजनी, अड़ाना भैरवी।

(हस्ताक्षर)

Jiwaji University Gwalior (M.P.)

M.A. Music Instrument

Session - दिसंबर - 2021

IIIrd Semester Scheme

University Course	Micropro	Comp/ Optiona	Course Name	Total Marks	Theory			Practical			Sessional		
					Max.	Min.	Total	Max.	Min.	Total	Max.	Min.	Total
301		C	VYAHAVARIK AVAM KRIYATMAK SANGEET SHASTRA	100	85	29					15	5	
302		C	DHVANI SHASTRA TATHA RACHNA AVAM NIBANDHA	100	85	29					15	5	
303		C	RAAG GAYAN (PRAYOGIK)	100				100	40				
304		C	MANCH PRADARSHAN (PRAYOGIK)	100				100	40				

MAX MARKS			AGGR. PASS %	CLASS Y/N	2nd Div.	GRACE Y/N	GRACE IN EACH PAPER	ATKT/ PNS/Suppl. Y/N	NO. OF SUB.	NO. OF SUB. TO APPEAR
400			40%	NO		YES	1MARK/1PAPER	2	4	4

एम० ए० तृतीय सेमेस्टर - दिसंबर - 2021

तन्तु वादन - सितार
सैद्धांतिक
प्रथम प्रश्न पत्र

पूर्णांक - 85
आंतरिक - 15

301 व्यावहारिक एवं क्रियात्मक संगीत शास्त्र

प्र. 1. निम्नलिखित रागों का विवेचनात्मक अध्ययन एवं बंदिश लेखन -
अभोगी कान्हड़ा, कौंसी कान्हड़ा, बिलासखानी तोड़ी, भूपाल तोड़ी, देसी, गोरख कल्याण।

प्र. 2 निम्नलिखित तालों के ठेके को ठाह, आड़, कुआड़, बिआड़ लय में लिखना - चौताल, रुद्र, पंचम सवारी, गजझम्पा।

प्र. 3. (i) ताललिपि पद्धतियों की उत्पत्ति, विकास एवं महत्व का अध्ययन।
(ii) हिन्दुस्तानी संगीत पद्धति के चालीस सिद्धांत।

प्र. 4. (i) प्राचीन एवं मध्यकालिन निबद्ध गान का अध्ययन।
(ii) मार्गी एवं देशी संगीत का अध्ययन।

प्र. 5. अंतर्राष्ट्रीय संगीत पद्धति का ज्ञान -
चीन, जापान और ईरान।

एम॰ ए॰ तृतीय सेमेस्टर - दिसंबर - 2021

समय - 3 घंटे

तन्तु वादन - सितार

पूर्णांक 85
आ॰मू॰ 15

सैद्धांतिक

द्वितीय प्रश्न पत्र

302 ध्वनिशास्त्र, रचना सिद्धांत और निबंध लेखन

ई॰1. (i) ध्वनि की व्याख्या, उत्पत्ति और महत्व।
(ii) कंठ स्वर संस्थान की जानकारी
(iii) ध्वनि विज्ञान के आवश्यक महत्वपूर्ण अवयव।

ई॰2. निम्नलिखित भारतीय वाद्यों की उत्पत्ति, विकास, उपयोग विधि और निर्माण का विस्तृत अध्ययन - मत्तकोकिला, एकतंत्री, किन्नरी वीणायें, सितार, सरोद, और सारंगी।

ई॰3. हिन्दुस्तानी एवं कर्नाटकी संगीत पद्धतियों के स्वर, राग एवं गीत प्रकारों का विस्तृत अध्ययन।

ई॰4. गीत रचना सिद्धांत का अध्ययन एवं पाठ्यक्रम के रागों में पदों को निबद्ध करने का ज्ञान।

ई॰5. संगीत एवं वाद्य यंत्र से संबंधित विषय पर निबंध लेखन।

(हस्ताक्षर)

एम. ए. तृतीय सेमेस्टर - दिसंबर - 2021

तन्तु वादन - सितार

समय 1 घंटा

पूर्णांक 100

तृतीय प्रश्न पत्र — प्रायोगिक

303 - रागवादन वायवा.

ई. 1 निम्नलिखित रागों का विस्तृत अध्ययन के साथ आलाप, जोड़, झाला, रजाखानी, मसीतखानी गतों का अभ्यास —
आभोगी कान्हड़ा, कौंसी कान्हड़ा, बिलासखानी तोड़ी,
जोगिया, देसी, गोरख कल्याण।

ई. 2. सामान्य अध्ययन के राग —
हंसध्वनि, जोग, बसंत मुखारी, हिंडोल, भूपाल तोड़ी,
कोमल रिषभ आसावरी।

ई. 3 - ई. 1 एवं ई. 2 के रागों में विलंबित एवं द्रुत रचनाओं के धुन बजाने का अभ्यास।

एम॰ ए॰ तृतीय सेमेस्टर - दिसंबर - 2021

समय 1घंटा

तन्त्र वादन - सितार

चतुर्थ प्रश्न पत्र - प्रायोगिक

पूर्णांक 100

304 मंच प्रदर्शन

ई. 1 - आमंत्रित श्रोता दर्शकों के समक्ष अपनी पसंद की किसी राग में पूर्ण दक्षता के साथ स्वतंत्र वादन प्रस्तुत करना।

ई. 2. परीक्षक द्वारा पूछे गये पाठ्यक्रम के किसी राग को अपने वादन से प्रस्तुत करना।

ई. 3. विभिन्न लयकारियों एवं उपज के साथ धुन प्रस्तुत करना -
राग - भूपाली, मियाँ मल्हार, पूरिया धनाश्री, वृन्दावनी सारंग, देश, पीलू।

[signature]

Jiwaji University Gwalior (M.P.)

M.A. Music Instrument

Session - सत्र - 2022

IVth Semester Scheme

University Course	Micropro	Comp/ Optiona	Course Name	Total Marks	Theory			Practical			Sessional		
					Max.	Min.	Total	Max.	Min.	Total	Max.	Min.	Total
401		C	VYAHAVARIK AVAM KRIYATMAK SANGEET SHASTRA	100	85	29					15	5	
402		C	DHVANI SHASTRA TATHA RACHNA AVAM NIBANDHA	100	85	29					15	5	
403		C	RAAG GAYAN (PRAYOGIK)	100				100	40				
404		C	MANCH PRADARSHAN (PRAYOGIK)	100				100	40				
MAX MARKS			**AGGR. PASS %**	**CLASS Y/N**	**2nd Div.**	**GRACE Y/N**	**GRACE IN EACH PAPER**		**ATKT/ PNS/S uppl. Y/N**	**NO. OF SUB.**	**NO. OF SUB. TO APPEAR**		
400			40%	NO		YES	1MARK/1PAPER		2	4	4		

एम॰ ए॰ चतुर्थ सेमेस्टर — जून - 2022

समय 3 घंटे

तन्तु वादन- सितार

पूर्णांक 85
आंतरिक 15

प्रथम प्रश्न पत्र — सैद्धांतिक —

401. व्यवहारिक एवं क्रियात्मक अध्ययन

प्र. 1. निम्नलिखित रागों का विवेचनात्मक अध्ययन एवं बंदिशें लेखन कार्य— विभास, मधुवंती, पूरिया कल्याण, पूरिया धनाश्री, चन्द्रकौंस।

प्र. 2 (i) निम्नलिखित तालों के ठेके — ठाह, आड़, कुआड़ बिआड़ में लिपिबद्ध करना। — लक्ष्मी, ब्रह्म, अष्टमंगल।

प्र. (ii) प्रायोगिक के रागों में विभिन्न बंदिशों को लिपिबद्ध करना।

प्र. 3 (i) नाद की व्याख्या, उत्पत्ति, प्रकार और सहायक नाद का अध्ययन।

(ii) इलेक्ट्रानिक वाद्य यंत्रों का प्रयोग एवं महत्व — सुरपेटी, तबला, हारमोनियम।

प्र. 4. संगीत एवं सितार वाद्य से संबंधित विषयों पर निबंध।

प्र. 5. पाठ्यक्रम के रागों में पदों को स्वर में लिखना।

एम० ए० चतुर्थ सेमेस्टर - जून 2022

समय - 3 घंटे

तन्तु वादन - सितार

पूर्णांक - 85
आन्तरिक - 15

द्वितीय प्रश्न पत्र - सैद्धांतिक

402 ध्वनिशास्त्र, रचना सिद्धांत और निबंधलेखन

ई.1 (i) संगीत में काकु का प्रयोग, कर्ण की बनावट एवं श्रवण सिद्धांत।
(ii) आचार्य भरत के अनुसार काकु का विस्तृत अध्ययन।

ई.2 (i) भारतीय वाद्यों का वर्गीकरण।
(ii) राग निर्माण और स्वर रचना सिद्धांत वर्णन।

ई.3. हिन्दुस्तानी और कर्नाटक संगीत पद्धति के तालों का तुलनात्मक अध्ययन।

ई.4. गीत रचना सिद्धांत एवं दिये गये पदों को स्वरलिपि में स्वरबद्ध करना।

ई.5. संगीत से संबंधित सामान्य विषयों पर निबंध लेखन।

एम० ए० चतुर्थ सेमेस्टर - जून 2022

समय 1 घंटा

तन्त्रु वादन - सितार

पूर्णांक 100

तृतीय प्रश्न पत्र - प्रायोगिक

403 रागवादन कार्यवा

इकाई 1. विस्तृत अध्ययन के राग - पूरिया कल्याण, मेघ मल्हार, विभास, मधुवंती, चंद्रकौंस, भैरवी।

इ. 2. सामान्य अध्ययन के राग - मुल्तानी, पूरिया, धनाश्री, नट भैरव, श्री, मुल्तानी।

उपर्युक्त विस्तृत अध्ययन के रागों में विलम्बित, द्रुत रचनाओं के साथ-साथ आलाप, जोड़, झाला एवं धुन प्रस्तुत करना।

(हस्ताक्षर)

एम० ए० चतुर्थ सेमेस्टर - जून 2022

समय 1 घंटा — तंतु वादन - सितार — पूर्णांक 100

चतुर्थ प्रश्न पत्र - प्रायोगिक

404

मंच प्रदर्शन

प्र.1 - आमंत्रित श्रोता दर्शकों के समक्ष पाठ्यक्रम के प्रथम प्रश्न पत्र के रागों में स्वतंत्र वादन प्रस्तुत करना।

प्र.2 परीक्षक द्वारा पूछे गये पाठ्यक्रम के रागों में वादन करना।

प्र.3 पूरिया, धनाश्री, नट भैरव, मियाँ का सारंग और मुल्तानी में विलंबित द्रुत रचनाओं की धुनों का प्रदर्शन।